

भारत-मसिर संयुक्त वशिष बल अभ्यास साइक्लोन-III

चर्चा में क्यों ?

भारत और मसिर के बीच संयुक्त वशिष बल अभ्यास "[साइक्लोन-III](#)" 10 फरवरी 2025 से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ ।

मुख्य बदि

- साइक्लोन-III के बारे में:
 - यह एक वार्षिक अभ्यास है, जिसे दोनों देशों में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है ।
- इसका पछिला संस्करण जनवरी 2024 में [मसिर के अंशास](#) में आयोजित हुआ था ।
- भारतीय टीम में 25 सैनिक होंगे, जिनका प्रतिनिधित्व दो वशिष बल बटालियनों के जवान करेंगे । वहीं, मसिर की टीम में भी 25 सैनिक होंगे, जिनका प्रतिनिधित्व मसिर के वशिष बल समूह और टास्क फोर्स के जवान करेंगे ।



अभ्यास के उद्देश्य:

- दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को सुदृढ़ करना ।
- शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और सामरिक अभ्यास पर वशिष ध्यान देना ।
- रेगसितान और अर्ध-रेगसितानी क्षेत्रों में [आतंकवाद वशिधी अभियानों](#) के लिये सामरिक अभ्यासों का पूरवाभ्यास और सत्यापन करना ।
- इसमें मसिर द्वारा स्वदेशी सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन और [रक्षा वनिरिमाण उद्योग](#) का नरीक्षण भी किया गया ।

मसिर



- मस्र उत्तरपूरवी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया (मध्य पूरव) में सनाई प्रायद्वीप में एक अंतरमहाद्वीपीय देश है ।
- काहरिा मस्र की राजधानी है ।

सीमाएँ:

- **उत्तर:** भूमध्य सागर की सीमाएँ ।
- **पूरव:** स्वेज की खाड़ी और लाल सागर से घरिा हुआ ।
- **पश्चिमि:** लीबया के साथ भूमि सीमा साझा करता है ।
- **उत्तर-पूरव:** गाज़ा पट्टी (फलिसितीनी क्षेत्र) और इज़रायल की सीमाएँ ।
- **दक्षणि:** सूडान के साथ सीमा साझा करता है ।

समुद्री सीमाएँ:

- **भूमध्य सागर:** साइप्रस, तुर्की और ग्रीस के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है ।
- **लाल सागर:** जॉर्डन और सऊदी अरब के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है ।
- मस्र ने 1922 में आधुनकि स्वतंत्रता प्राप्त की ।
- आधिकारकि भाषा आधुनकि मानक अरबी है ।
- आम तौर पर बोली जाने वाली बोली मस्रि अरबी (मसरी) है ।
- **इस्लाम प्रमुख धर्म है,** जसिमें 85-90% आबादी सुन्नी मुसलमि है ।

प्रमुख नदी:

- नील नदी मस्र में साल भर बहने वाली एकमात्र नदी है । लगभग 98% आबादी नील नदी घाटी में रहती है ।

